नम्रता

नम्रता कमजोरी का नहीं, वरन् विद्वत्ता, बुद्धिमता और योग्यता का चिह्न है। जिस व्यक्ति को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त होती जाती है, वह और भी नम्र होता जाता है। इस प्रकार नम्रता सफलता का प्रतीक है। अधिक फलों वाला वृक्ष हमेशा झुकता है। जल वाले बादल नीचे झुक जाते हैं और वर्षा करते हैं। इनसे हमें यह शिक्षा मिलती है कि यदि हम समाज और देश की सेवा करना चाहते हैं तो हमें नम्रता को अपनाना होगा। नम्रता सभ्यता और संस्कृति का शृंगार है। नम्रता का आवश्यक अंग है– विनीत बने रहना। वास्तव में नम्रता मनुष्य के व्यक्तित्व का शृंगार है।